शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

भारत पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला जीतने में सफल रहा

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

जया कृष्णा और राशा थडानी की फिल्म का थिएटर में नहीं चला जादू

Page-05

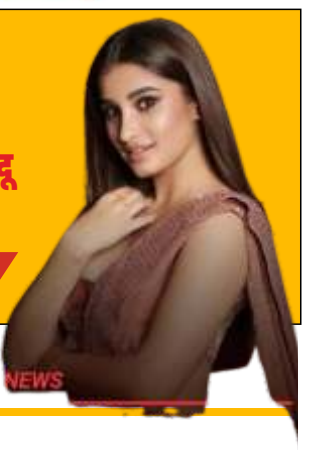

लखनऊ में सनसनीखेज वारदात:

बैंक अफसर पत्नी की गोली मारकर हत्या फिर बहन को मारी गोली और खुद भी किया सुसाइड

- पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि दिव्या और मानस के बीच वैवाहिक विवाद चल रहा था और दोनों के तलाक का मामला अदालत में लंबित था।
- दिव्या मिश्रा मशहूर यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा की बहन बताई जा रही हैं।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर इलाके में गुरुवार को एक सनसनीखेज वारदात से हड़कंप मच गया। बैंक में कार्यरत एक महिला अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद आरोपी पति अपने घर पहुंचा, जहां उसने अपनी बहन को भी गोली मार दी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एक के बाद एक हुई इन घटनाओं ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी।जानकारी के मुताबिक, मृतका की पहचान दिव्या मिश्रा के रूप में हुई है। वह गोमती नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। बताया जा रहा है कि वह बैंक के बाहर एक क्लाइंट से मिलने गई थीं। आरोप है कि इसी दौरान उनका पति मानस बाजपेयी वहां पहले से मौजूद था। बातचीत के बाद दोनों के बीच विवाद हुआ और मानस ने कथित तौर पर दिव्या पर गोली चला दी। गोली लगने से दिव्या गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गईं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया और करीब एक किलोमीटर दूर स्थित अपने घर पहुंचा।पुलिस के मुताबिक, घर पहुंचने के बाद आरोपी ने कमरे में अपनी बहन शीबा बाजपेयी को गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मानस अपनी बहन के साथ किराए के मकान में रहता था। उसके माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि दिव्या और मानस के बीच वैवाहिक विवाद चल रहा था और दोनों के तलाक का मामला अदालत में लंबित था। बताया जा रहा है कि दिव्या ने करीब एक साल पहले तलाक के लिए कोर्ट में याचिका दायर की थी। हालांकि, हत्या की वास्तविक वजह क्या थी, इसका अभी आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं हुआ है। दिव्या मिश्रा मशहूर यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा की बहन बताई जा रही हैं। पॉश इलाके में दिनदहाड़े हुई गोलीबारी के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थलों से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है।

'वंदे मातरम्' पर सियासी संग्राम तेज

फडणवीस ने कांग्रेस के फैसले को बताया 'मानसिक गुलामी'

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर तीखी बहस छिड़ गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस के उस फैसले पर निशाना साधा है, जिसमें पार्टी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम्' के केवल शुरुआती दो पद गाने की बात कही गई है। फडणवीस ने कांग्रेस के रुख को संविधान और राष्ट्रभावना से जोड़ते हुए इसे पार्टी की 'मानसिक गुलामी' करार दिया।फडणवीस का कहना है कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं है, बल्कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास और देशभक्ति की भावना से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रतीक है। उनके मुताबिक, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत ने लोगों को एकजुट करने और ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष की भावना मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।कांग्रेस की ओर से हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि पार्टी अपने कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम्' के शुरुआती दो पद ही गाएगी। पार्टी का कहना है कि इस निर्णय को किसी तरह से राष्ट्रगीत के अपमान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। कांग्रेस का तर्क है कि गीत के शुरुआती हिस्से को राष्ट्रीय आयोजनों और कार्यक्रमों में गाने की परंपरा रही है। लेकिन भाजपा ने कांग्रेस के फैसले को राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस का यह निर्णय उसकी कथित तुष्टिकरण की राजनीति से जुड़ा हुआ है।पार्टी नेताओं का कहना है कि जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशवासियों में राष्ट्रभावना पैदा की, उसके प्रति किसी भी तरह की राजनीतिक आपत्ति स्वीकार नहीं की जा सकती।

'वंदे मातरम्' पर अमित शाह का कांग्रेस पर हमला

बोले- वोट बैंक के लिए शहीदों के बलिदान का अपमान

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' को लेकर देश की राजनीति में जारी विवाद अब और तेज हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के उस फैसले पर तीखा हमला किया है, जिसमें पार्टी ने अपने कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम्' के केवल शुरुआती दो पद गाने की बात कही है। अमित शाह ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रभक्ति से जुड़े इस महत्वपूर्ण प्रतीक का अपमान कर रही है।अमित शाह ने कहा कि 'वंदे मातरम्' भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों के लिए केवल एक गीत नहीं था, बल्कि यह अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष और राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रतीक बन गया था। उन्होंने कांग्रेस के फैसले को इसी ऐतिहासिक विरासत से जोड़ते हुए पार्टी की आलोचना की।यह विवाद कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के बाद तेज हुआ, जिसमें पार्टी ने अपने कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम्' के शुरुआती दो पदों को ही गाने का फैसला किया। कांग्रेस का कहना है कि उसके निर्णय को राष्ट्रगीत के अपमान के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। पार्टी की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि 'वंदे मातरम्' के प्रति उसके सम्मान में कोई कमी नहीं है।लेकिन भाजपा ने इस फैसले को राजनीतिक मुद्दा बना लिया है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस ने यह निर्णय अपनी राजनीतिक मजबूरियों और कथित तुष्टिकरण की राजनीति के चलते लिया है। अमित शाह ने भी कांग्रेस पर इसी आधार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशवासियों को प्रेरित किया, उसके प्रति इस तरह का रवैया उचित नहीं है।

भारतीय चुनाव प्रणाली का क्यों दिया हवाला

SIR मॉडल से अमेरिकी चुनाव सुधारेंगे डोनाल्ड ट्रंप?

अमेरिका में चुनावी व्यवस्था में बदलाव को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुहिम अब भारत की चुनाव प्रणाली तक पहुंच गई है। ट्रंप ने अमेरिकी चुनावों में पहचान की पुष्टि और मतदान प्रक्रिया को लेकर भारत का उदाहरण सामने रखा है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी चुनाव व्यवस्था को लेकर एक अहम सवाल उठाया था।ट्रंप के मुताबिक, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ने सवाल किया कि अमेरिका में बिना वैध फोटो पहचान पत्र के लोग मतदान कैसे कर सकते हैं। ट्रंप लंबे समय से अमेरिकी चुनावों में वोटर आईडी को अनिवार्य किए जाने की वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क है कि चुनावी प्रक्रिया में मतदाताओं की पहचान की पुख्ता व्यवस्था होने से चुनाव की विश्वसनीयता बढ़ेगी और संभावित गड़बड़ियों को रोका जा सकेगा।इसी बहस के बीच ट्रंप प्रशासन की ओर से अमेरिकी चुनाव प्रणाली में व्यापक बदलाव की कोशिशों की चर्चा तेज हुई है। 'सेव अमेरिका एक्ट' के जरिए चुनावों में पहचान सत्यापन, मतदाता पंजीकरण और मतदान प्रक्रिया से जुड़े नियमों को अधिक सख्त बनाने का प्रस्ताव सामने आया है। इसे ट्रंप की चुनाव सुधार मुहिम का अहम हिस्सा माना जा रहा है।भारत की चुनाव व्यवस्था में मतदाता पहचान के लिए फोटो पहचान पत्र का इस्तेमाल लंबे समय से होता रहा है। चुनाव आयोग मतदाता सूची और पहचान से जुड़े नियमों के जरिए मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित करता है। हालांकि, भारत और अमेरिका की चुनावी व्यवस्थाओं में कई बुनियादी अंतर हैं। भारत में चुनावों का संचालन केंद्रीय चुनाव आयोग करता है, जबकि अमेरिका में चुनावों का बड़ा हिस्सा राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसलिए अमेरिकी व्यवस्था में किसी एक समान नियम को लागू करना राजनीतिक और प्रशासनिक रूप से चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

प्रयागराज को मिली 3 नई अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात

प्रयागराज और आसपास के रेल यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे ने बड़ी घोषणा की है। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे ने प्रयागराज से मुंबई और सूरत के बीच चलने वाली तीन स्पेशल ट्रेनों को 'अमृत भारत एक्सप्रेस' के रूप में नियमित करने का फैसला किया है। इन ट्रेनों के नियमित संचालन से यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है।रेलवे के मुताबिक, इन ट्रेनों में प्रयागराज से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस, प्रयागराज से सूरत के उधना और प्रयागराज के सूबेदारगंज से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच चलने वाली सेवाएं शामिल हैं। इन ट्रेनों को अमृत भारत एक्सप्रेस के तौर पर नियमित किए जाने से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भारतीय रेलवे की आधुनिक और बेहतर यात्री सुविधाओं वाली सेवाओं के रूप में विकसित किया गया है। इनमें यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सीटिंग व्यवस्था को बेहतर बनाया गया है। इसके अलावा मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की चार्जिंग के लिए चार्जिंग पॉइंट, बोतल रखने की सुविधा और स्नैक टेबल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं।प्रयागराज उत्तर भारत के प्रमुख रेलवे केंद्रों में से एक है। यहां से देश के अलग-अलग हिस्सों के लिए बड़ी संख्या में यात्री यात्रा करते हैं। मुंबई और गुजरात के प्रमुख शहरों से प्रयागराज की सीधी रेल कनेक्टिविटी रोजगार, शिक्षा, व्यापार और धार्मिक यात्राओं के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।प्रयागराज से मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक प्रमुख गंतव्य है। वहीं, उधना के लिए ट्रेन सेवा गुजरात जाने वाले यात्रियों के लिए उपयोगी साबित होगी। सूबेदारगंज से मुंबई के बीच सेवा शुरू होने से प्रयागराज के आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को भी बेहतर विकल्प मिल सकता है। 'वंदे मातरम्' का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से गहराई से जुड़ा हुआ है।

'शुद्धिकरण' विवाद

कांग्रेस में अंदरूनी बेचैनी, खड़गे ने नेताओं की चुप्पी पर जताई नाराजगी

कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की हालिया बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कथित तौर पर 'शुद्धिकरण' विवाद को लेकर पार्टी नेताओं के रवैये पर नाराजगी जताई। सूत्रों के मुताबिक, खड़गे ने बैठक में कहा कि विवाद के दौरान कई वरिष्ठ नेताओं ने उनका खुलकर समर्थन नहीं किया, जिससे वह आहत हुए हैं।दरअसल, 'शुद्धिकरण' विवाद कांग्रेस के भीतर राजनीतिक और संगठनात्मक चर्चा का विषय बन गया है। इस मामले में पार्टी नेताओं के अलग-अलग रुख ने कांग्रेस नेतृत्व के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। पार्टी अध्यक्ष खड़गे का मानना है कि जब किसी वरिष्ठ नेता या पार्टी के खिलाफ राजनीतिक विवाद खड़ा हो, तब संगठन के नेताओं को एकजुट होकर अपना पक्ष रखना चाहिए।CWC की बैठक में खड़गे ने कथित तौर पर नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि विवाद के समय कुछ वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए। पार्टी अध्यक्ष के इस रुख से यह संकेत मिला कि कांग्रेस के भीतर केवल बाहरी राजनीतिक चुनौतियां ही नहीं, बल्कि आंतरिक समन्वय को लेकर भी चिंता मौजूद है।कांग्रेस के लिए यह मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी पहले से ही कई राज्यों में संगठनात्मक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे समय में शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता सार्वजनिक मंचों पर एकजुट नजर आएं। नेतृत्व के खिलाफ या पार्टी से जुड़े किसी विवाद पर अलग-अलग आवाजें सामने आने से विपक्षी दलों को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका मिल सकता है।दूसरी ओर, पार्टी के भीतर नेताओं की व्यक्तिगत राजनीतिक रणनीति और बयानबाजी को लेकर भी समय-समय पर मतभेद सामने आते रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती इन मतभेदों को सार्वजनिक विवाद बनने से रोकना है।CWC की बैठक में खड़गे की नाराजगी को इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा रहा है। पार्टी अध्यक्ष का संदेश साफ माना जा रहा है कि संगठन के वरिष्ठ नेताओं को कठिन राजनीतिक परिस्थितियों में एक-दूसरे का साथ देना चाहिए और पार्टी के आधिकारिक रुख को मजबूती से सामने रखना चाहिए।

इंडोनेशिया के फ्लोरेस में फिर कांपी धरती, 5.9 तीव्रता के भूकंप से दहशत; पहले ही 73 लोगों की हो चुकी है मौत

फ्लोरेस में 15 अगस्त के 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद गुरुवार को 5.9 तीव्रता का नया झटका आया। पहले भूकंप में कम से कम 73 लोगों की मौत, 900 से ज्यादा लोग घायल और करीब 60 हजार लोग बेघर हुए हैं। 3,000 से ज्यादा आफ्टरशॉक्स और भूस्खलन के बीच राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में गुरुवार को एक बार फिर भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंपीय केंद्र (ईएमएससी) के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई और इसका केंद्र जमीन के करीब 10 किलोमीटर नीचे था। यह झटका ऐसे समय आया है जब कुछ ही दिन पहले फ्लोरेस द्वीप के पास 7.7 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप आया था। उस भूकंप ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई और दर्जनों लोगों की जान चली गई।15 अगस्त को फ्लोरेस द्वीप के पास आए शक्तिशाली भूकंप का केंद्र पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के एंडे शहर से करीब 68 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में बताया गया था। भूकंप काफी उथला था, जिसकी वजह से इसका असर कई इलाकों में ज्यादा महसूस किया गया। झटकों के कारण भूस्खलन हुए, मकानों और दूसरी इमारतों को नुकसान पहुंचा और कई जगहों पर सड़कें भी बाधित हो गईं।आपदा के बाद जैसे-जैसे नुकसान की तस्वीर सामने आई, मरने वालों की संख्या भी बढ़ती गई। बचाव अधिकारियों के अनुसार, फ्लोरेस के चार अलग-अलग कस्बों में कम से कम 73 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। राहत और बचाव अभियान में जुटे अधिकारियों ने बताया कि छह लोग घायल हैं, जबकि दो लोगों के अभी भी मलबे में दबे होने की आशंका है। वहीं, इंडोनेशियाई अधिकारियों के अनुसार 900 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं और करीब 60 हजार लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है।भूकंप से स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। समुद्र में हलचल के कारण छोटी सुनामी लहरें भी उठीं। इनमें सबसे ऊंची लहर करीब 1.61 मीटर दर्ज की गई। हालांकि, प्रभावित क्षेत्रों के लिए जारी सुनामी चेतावनी को बाद में हटा लिया गया।सबसे बड़ी चुनौती लगातार महसूस किए जा रहे आफ्टरशॉक्स हैं। मुख्य भूकंप के बाद अब तक 3,000 से ज्यादा झटके दर्ज किए जा चुके हैं। लगातार झटकों और भूस्खलन के कारण राहत टीमों के लिए प्रभावित इलाकों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। कई जगह सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, जिससे बचाव अभियान की गति प्रभावित हुई है।फ्लोरेस द्वीप पर्यटकों के बीच भी लोकप्रिय है, इसलिए स्थानीय प्रशासन के सामने लोगों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने की बड़ी चुनौती है। फिलहाल बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं और प्रशासन प्रभावित परिवारों तक भोजन, चिकित्सा सहायता और अन्य जरूरी सामान पहुंचाने में जुटा है।

प्रिंस हैरी अपनी पत्नी मेगन के साथ ब्रिटेन लौटने जा रहे

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन ने अपने देश लौटने का फैसला किया है लेकिन वे शाही परिवार के कामकाजी सदस्यों के रूप में अपनी भूमिकाएं दोबारा नहीं संभालेंगे। ब्रिटेन की मीडिया ने बुधवार देर रात यह जानकारी दी है। समाचारपत्र 'डेली टेलीग्राफ' की खबर के अनुसार, दंपति के बच्चों प्रिंस आर्ची (सात) और प्रिंसेस लिलिबेट (पांच) का ब्रिटेन के विद्यालयों में दाखिला हो चुका है और वे सितंबर से अपनी पढ़ाई शुरू करेंगे। खबर के मुताबिक, यह परिवार लंदन के बाहर एक निजी आवास में रहेगा। हैरी और मेगन ने छह साल से अधिक समय पहले शाही जिम्मेदारियां छोड़ दी थीं और आर्थिक रूप से स्वतंत्र जीवन जीने के लिए कैलिफोर्निया चले गए थे।प्रिंस हैरी ने वहां 'नेटफ्लिक्स' और 'स्पॉटिफाई' जैसी कंपनियों के साथ आकर्षक करार किए थे। इसके बाद ब्रिटेन के शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ उनके रिश्तों में तल्खी आई, लेकिन ऐसी खबरें सामने आईं कि हैरी ने सुलह की इच्छा जताई है ताकि वह अपने पिता महाराजा चार्ल्स तृतीय के साथ अधिक समय बिता सकें। महाराजा चार्ल्स तृतीय बीमार हैं और उनका कैंसर का इलाज चल रहा है। महाराजा चार्ल्स को रविवार को दंपति की ब्रिटेन लौटने की योजना की जानकारी दी गई। हालांकि, पिछले महीने हैरी और मेगन की ब्रिटेन यात्रा के दौरान उन्हें इस बारे में नहीं बताया गया था।

टनल के अंदर दो ट्रकों के बीच भिड़ंत के बाद अफरा-तफरी हादसे में 4 की मौत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

हिमाचल प्रदेश के चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हणोगी टनल में गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। सुबह करीब पौने 8 बजे टनल के अंदर दो ट्रकों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 लोग घायल हो गए।हादसे के बाद टनल में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचा और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें आगे के इलाज के लिए नेरचौक मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।हादसे की पुष्टि डीएसपी लोकेंद्र नेगी ने की है। दुर्घटना के बाद चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाकर यातायात को सामान्य करने की कोशिश की।फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के बाद दोनों ट्रकों के परखच्चे उड़ गए। आगे से ट्रक पूरी तरह चकनाचूर हो गया है। टनल के बीच में ही क्षतिग्रस्त ट्रक खड़ा हुआ है। उसे वहां से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। बता दें कि हणोगी टनल हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-3) पर स्थित है। यह पंडोह और औट के बीच पड़ती है। ये टनल कुल्लू-मनाली जाने वाले प्रमुख मार्ग का हिस्सा है। वहीं, दूसरी ओर कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। देर रात तेज रफ्तार कार के सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा जाने के कारण पति-पत्नी समेत 4 लोगों की मौत हो गई थी। पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में जान गंवाने वाले लोग धार और इंदौर जिले के रहने वाले थे। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे में कार चालक समेत पांच लोग घायल हुए जिन्हें रतलाम के चिकित्सा महाविद्यालय के अस्पताल भेजा गया।

पाकिस्तानी यात्रियों के साथ अलग तरह का व्यवहार असेंबली के पूर्व स्पीकर असद कैसर ने लगायाआरोप

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पाकिस्तान के सांसद और नेशनल असेंबली के पूर्व स्पीकर असद कैसर ने आरोप लगाया है कि यूएई के एक होटल में उनके समेत कई पाकिस्तानी यात्रियों के साथ गलत व्यवहार किया गया। फ्लाइट कैंसिल होने के बाद, सिर्फ़ भारतीय और अमेरिकी पासपोर्ट वालों को ही रहने की जगह दी गई। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (संसद) में यह मुद्दा उठाते हुए कैसर ने राजनयिक दखल की मांग की और सरकार से कहा कि वह यूएई अधिकारियों के सामने यह मामला उठाए। सांसद ने दावा किया कि यह घटना तब हुई जब पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान विवाद में सकारात्मक भूमिका निभाई थी। कैसर ने बताया कि यूएई में यात्रा के दौरान उन्होंने खुद इस घटना का अनुभव किया, जब उनकी फ़्लाइट कैंसिल हो गई और यात्रियों ने होटल में ठहरने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने दावा किया कि एक घोषणा की गई थी कि सिर्फ़ भारतीय और अमेरिकी पासपोर्ट धारकों को ही ठहराया जाएगा, जबकि पाकिस्तानी यात्रियों के साथ अलग तरह का व्यवहार किया गया। पीटीआई नेता ने कहा कि द यात्रा कर रहा था और वहाँ जो व्यवहार किया गया, वह बेहद अनुचित था। हमारी फ़्लाइट कैंसिल हो गई थी। हम होटल में ठहरना चाहते थे, लेकिन हम पाकिस्तानियों के प्रति उनका रवैया अच्छा नहीं था। घोषणा की जा रही थी कि सिर्फ़ भारत और अमेरिका के पासपोर्ट धारकों को ही ठहराया जाएगा। कैसर ने कहा कि उन्होंने इस बर्ताव का विरोध किया और घटना पर निराशा जताई, खासकर इसलिए क्योंकि पाकिस्तान के यूएई के साथ करीबी संबंध हैं, जिसे उन्होंने इस्लामिक भाई-देश बताया। उन्होंने यूएई के विकास में पाकिस्तानियों के योगदान का भी ज़िक्र किया और कहा कि इस्लामाबाद खाड़ी देश के साथ अपने संबंधों को और मज़बूत करना चाहता है।

यमन के तट पर जहाज हाईजैक! 6 हथियारबंद लोगों ने कब्जे में लिया सोमालिया की ओर ले जाने की खबर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

यमन के तट के पास समुद्र में एक बार फिर खौफनाक घटना हो गई है। छह हथियारबंद लोगों ने एक जहाज पर चढ़कर उसे जबरन अपने कब्जे में ले लिया है। अब यह जहाज सोमालिया की तरफ ले जाया जा रहा है। ब्रिटेन की समुद्री व्यापार निगरानी एजेंसी 'यूकेएमटीओ' ने यह जानकारी दी है। यह घटना खाड़ी अदन में हुई है, जहां पहले भी कई बार जहाजों पर हमले हो चुके हैं। एजेंसी के अनुसार, जहाज पर सवार इन लोगों ने पूरा नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। चालक दल की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है क्योंकि अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई कि जहाज पर कितने लोग थे और उनकी स्थिति क्या है। इससे पहले यूकेएमटीओ ने बताया था कि एक टैंकर यमन के मुकल्ला शहर के पूर्व में पश्चिम दिशा की ओर जा रहा था। तभी एक अनधिकृत नाव उसके करीब आई। इसके कुछ समय बाद ही छह हथियारबंद लोगों द्वारा जहाज पर चढ़ने और उसे मोड़ने की खबर सामने आई। यह इलाका लंबे समय से समुद्री डकैती और हमलों के लिए जाना जाता है। हाल के वर्षों में

यमन और सोमालिया के आसपास के समुद्री रास्तों पर सुरक्षा को लेकर कई बार चेतावनियां जारी की गई हैं। व्यापारिक जहाज यहां से गुजरते समय हमेशा सतर्क रहते हैं। इस घटना से अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। खाड़ी अदन से होकर रोजाना सैकड़ों जहाज गुजरते हैं। तेल टैंकर और मालवाहक जहाज इस रूट का इस्तेमाल करते हैं। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव हैं। अभी तक जहाज का नाम, उसके मालिक या चालक दल के बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। क्षेत्र में गश्त करने वाले जहाज और हवाई निगरानी बढ़ाई जा सकती है। अलजजीरा के मुताबिक, ऐसे हमलों के पीछे कई बार स्थानीय समूह या समुद्री डकैत होते हैं जो फिरौती के लिए जहाज और चालक दल को अपने कब्जे में लेते हैं। इस बार भी मकसद क्या है, यह साफ नहीं हो पाया है।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र में विरोध केवल राजनीति का हथियार नहीं, बल्कि जनता की आवाज को सत्ता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। लेकिन जब राजनीतिक विरोध जनहित के वास्तविक सवालों से हटकर केवल हंगामे, आरोप-प्रत्यारोप और प्रतीकात्मक टकराव तक सीमित हो जाता है, तो सबसे बड़ा नुकसान लोकतांत्रिक व्यवस्था का नहीं, बल्कि आम नागरिक का होता है।हाल के दिनों में संसद और विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में जिस तरह सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ा है, उसने एक गंभीर सवाल खड़ा किया है—क्या हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों में बहस की जगह राजनीतिक प्रदर्शन ज्यादा महत्वपूर्ण होता जा रहा है?विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना, नीतियों की कमियां सामने लाना और जनता की समस्याओं को सदन में मजबूती से उठाना है। वहीं सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और उचित मुद्दों पर जवाब देना भी है। लोकतंत्र की खूबसूरती इसी संतुलन में है।आज बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की आय, युवाओं के अवसर और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दे जनता के सामने खड़े हैं। दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श अक्सर ऐसे मुद्दों में उलझ जाता है जिनसे तत्काल आम आदमी की जिंदगी में कोई बदलाव नहीं आता। टीवी बहसों और सोशल मीडिया पर बयानबाजी तेज होती है, लेकिन जिन सवालों पर नीतिगत निर्णय की जरूरत है, वे पीछे छूट जाते हैं।यह स्थिति केवल किसी एक दल या सरकार की समस्या नहीं है। सत्ता में रहने वाले दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और विपक्ष को भी। विपक्ष यदि हर मुद्दे पर केवल विरोध करेगा तो उसकी विश्वसनीयता कमजोर होगी। वहीं सरकार यदि हर आलोचना को राजनीतिक साजिश मानकर खारिज करेगी, तो लोकतांत्रिक जवाबदेही कमजोर होगी।आज जरूरत है कि सदन में शोर कम और संवाद अधिक हो। जनप्रतिनिधि यह याद रखें कि वे केवल अपनी पार्टी का प्रतिनिधित्व नहीं करते, बल्कि उन करोड़ों नागरिकों की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्होंने उन्हें चुनकर भेजा है।लोकतंत्र में जीत चुनाव से तय होती है, लेकिन लोकतांत्रिक सफलता जनता के जीवन में सुधार से तय होती है। इसलिए सत्ता और विपक्ष दोनों को राजनीतिक लाभ से ऊपर जनहित को रखना होगा। यही लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा है और यही जनता की सबसे बड़ी अपेक्षा भी।

राजस्थान विधानसभा के छठे सत्र में घमासान गेट नंबर 6 पर कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

राजस्थान विधानसभा के छठे सत्र की शुरूआत विपक्षी कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन से हुई।कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा के गेट नंबर 6 से प्रवेश नहीं दिए जाने और जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर धरना दिया।सत्ता पक्ष ने कांग्रेस पर सदन में मुद्दे उठाने के बजाय हंगामा और प्रदर्शन करने का आरोप लगाया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राजस्थान में गुरूवार को शुरू हुए 16वीं विधानसभा के छठे सत्र के दौरान विपक्षी कांग्रेस के सदस्यों ने जनता के मुद्दों व विधानसभा के द्वार संख्या 6 से प्रवेश को लेकर वहां धरना दिया और प्रदर्शन किया। इससे पूर्व नेता टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने पोद्दार मूक-बधिर स्कूल से विधानसभा तक पैदल मार्च निकाला। विधानसभा के बाहर कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन और मार्च पर राजस्थान के डिप्टी सीएम प्रेम चंद बैरवा ने कहा, उन्हें (विपक्ष के नेताओं) सदन में आना चाहिए था। आज विधानसभा चल रही थी और वे नहीं आए तो यह बहुत खेद की बात है। कांग्रेस के प्रदर्शन पर राज्य सरकार में मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा, स्वच्छ लोकतंत्र का यह तकाजा है कि आपका कोई भी विचार है या मांग हो, आप शालीनतापूर्वक तरीके से उसे सदन में रखें और आप जब सदन में तथ्यात्मक तरीके से अपनी बात रखेंगे तो सत्ता पक्ष को निश्चित रूप से उस पर विचार करने को विवश होना पड़ेगा मगर वो नहीं चाहते हैं। उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं है। उन्हें सिर्फ हंगामा खड़ा करना था। उन्होंने अपने आचरण से इसे साफ कर दिया। झाबर सिंह खर्रा ने आगे कहा, कांग्रेस की जिस तरह की नीतियां हैं और वंदे मातरम् एवं अपने मातृभूमि के प्रति उनका जिस प्रकार का आचार-विचार और भाव है, उनके इस आचरण से पूरी तरह से साफ हो गया कि उन्हें मातृभूमि से प्यार नहीं है, उन्हें सिर्फ सत्ता में रहने से प्यार है। डिप्टी सीएम प्रेम चंद बैरवा ने कहा मैं हमारे मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करना चाहता हूं। उन्होंने रक्षा बंधन के अवसर पर 2 दिनों के लिए महिलाओं को बस में निशुल्क सफर करने की छूट दी है ताकि वे अपने संबंधियों और भाइयों के यहां जाकर रक्षा बंधन का त्योहार मना सकें। राजस्थान में गुरूवार को शुरू हुए सोलहवीं विधानसभा के छठे सत्र के दौरान विपक्षी कांग्रेस के सदस्यों ने जनता के मुद्दों एवं विधानसभा के द्वार संख्या छह से प्रवेश को लेकर वहां धरना दिया और प्रदर्शन किया। सत्र की पूर्वाह्न 11 बजे शुरूआत से पहले ही प्रदेश में शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में मीडिया की बिना अनुमति के प्रवेश पर रोक के मुद्दे और अन्य मुद्दों को लेकर विपक्ष के नेता टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने पोद्दार मूक-बधिर स्कूल से विधानसभा तक पैदल मार्च निकाला। विधानसभा में प्रवेश के दौरान अवरोधक लगाकर विधायकों को द्वार पर रोक दिया गया। बाद कांग्रेस विधायकों ने इसी द्वार से सदन में नहीं जाने देने का आरोप लगाते हुए द्वार के बाहर धरना दे दिया और नारेबाजी कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, सचिन पायलट, टीकाराम जूली एवं हरीश चौधरी सहित कई कांग्रेस विधायक एवं नेता विधानसभा गेट के बाहर धरने पर बैठे। इस दौरान गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें विधानसभा के द्वार संख्या छह पर ताले लगाकर अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी इसी द्वार से सदन में जाते रहे हैं और आज अचानक क्या हो गया कि उन्हें इस द्वार से अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। अगर उन्हें अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है तो वे बाहर ही बैठेंगे। इसके बाद वे धरने पर बैठ गए। सदन की कार्यवाही 11 बजकर 22 मिनट पर शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक स्थगित होने के बाद विपक्ष के सदस्यों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2026-27 के लिए बिहार को 11.18 लाख से अधिक आवासों का लक्ष्य सौंपा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज प्रधानमंत्री आवास पर योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूर्ण किए गए 2 लाख 35 हजार आवासों के गृह प्रवेश, लाभुकों के बीच आवास की चाबी एवं नए चयनित लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र वितरण तथा केंद्र सरकार द्वारा बिहार को आवंटित नए लक्ष्य से संबंधित कार्यक्रम में शामिल हुए। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र परिसर स्थित बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पौधों में जल अर्पित कर विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की उपलब्धियों, प्रगति एवं प्रमुख पहलों पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री ने योजना के लाभुकों को आवास की चाबी एवं नए चयनित लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया। वहीं, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्र सरकार द्वारा बिहार को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवंटित लक्ष्य का पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बिहार के लिए गर्व और सम्मान का दिन है। राज्य के गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने का यह कार्यक्रम बिहार को आगे बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि इंदिरा आवास योजना के तहत वर्ष 1986 से 2014 तक बिहार में मात्र 30 लाख पक्के मकान गरीब परिवारों के लिए बनाए गए थे। प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से 2026 तक बिहार के गरीब परिवारों के लिए 50 लाख पक्के मकान बनाने का अलॉटमेंट किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2018 के सर्वे में चिन्हित 19 लाख परिवार पक्के मकान से वंचित रह गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के सहयोग से इन परिवारों को भी प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का लाभ मिला है। योजना के तहत बनने वाले पक्के मकान में 40 प्रतिशत धनराशि बिहार सरकार द्वारा दी जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वर्ष 2026-27 के लिए बिहार को 11 लाख 18 हजार 937 पक्के मकान बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से बिहार को 13,427 करोड़ रुपये की सहायता मिलेगी। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी का आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत जिन परिवारों को आज आवास की चाबी प्रदान की गई है, उनके सिर पर छत होने से उनके सपनों को नई ऊंचाई मिलेगी। अपना घर सुरक्षा और सम्मान देने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। सभी जरूरतमंद लोगों तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए।

'कॉकरोच जनता पार्टी' संयोजक अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री दादा भुसे के इस्तीफे की मांग की

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

महाराष्ट्र में सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के संयोजक अभिजीत दीपके ने देवेंद्र फडणवीस सरकार और स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे पर तीखा हमला बोला है। दीपके ने दादा भुसे के इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया कि राज्य के कई सरकारी स्कूलों में छात्रों को आज भी बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं।सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आज लातूर जिले की औसा तहसील के उजनी गांव स्थित एक जिला परिषद स्कूल का दौरा किया। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों की स्थिति के लिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसके लिए जनता को आवाज उठानी चाहिए। अभिजीत दीपके ने सरकारी स्कूलों की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कई स्कूलों में अच्छी कक्षाएं, पर्याप्त बेंच, शौचालय और स्कूल तक पहुंचने के लिए सुरक्षित रास्ते जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ जगहों पर छात्रों को जानवरों से भी बदतर परिस्थितियों में पढ़ना पड़ रहा है। इसी दौरान उन्होंने सरकार पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि मंत्रियों के कुत्तों को भी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों से बेहतर सुविधाएं मिलती हैं।दीपके ने कहा कि यह छात्रों की जिंदगी और उनके भविष्य का सवाल है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नेताओं से सवाल पूछें कि अगर वे बच्चों की शिक्षा के लिए काम नहीं करते तो जनता उन्हें वोट क्यों दे। सीजेपी प्रमुख ने लोगों से राजनीतिक दलों के नेताओं पर शिक्षा के मुद्दे पर काम करने का दबाव बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि गांव में वोट मांगने आने वाले नेताओं से साफ कहा जाना चाहिए कि पहले शिक्षा के लिए काम करें और उसके बाद वोट मांगने आएं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मुद्दों पर लोग जाति और समुदाय के झंडे लेकर सड़कों पर उतरते हैं। इसी तरह बच्चों के स्कूलों और उनके भविष्य के लिए भी लोगों को आवाज उठानी चाहिए।अभिजीत दीपके ने कहा कि मंत्रियों और विधायकों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजना चाहिए। इससे उन्हें समझ आएगा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों और उनके परिवारों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या दादा भुसे को स्कूली शिक्षा मंत्री के पद पर बने रहना चाहिए, तो दीपके ने कहा कि राज्य के स्कूलों की स्थिति देखकर उन्हें लगता है कि शिक्षा मंत्री को पद पर नहीं बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा

कि अगर सरकार वास्तव में सरकारी स्कूलों की समस्याओं की गंभीरता समझना चाहती है तो मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपने बच्चों की शिक्षा इन्हीं सरकारी विद्यालयों में करवानी चाहिए।

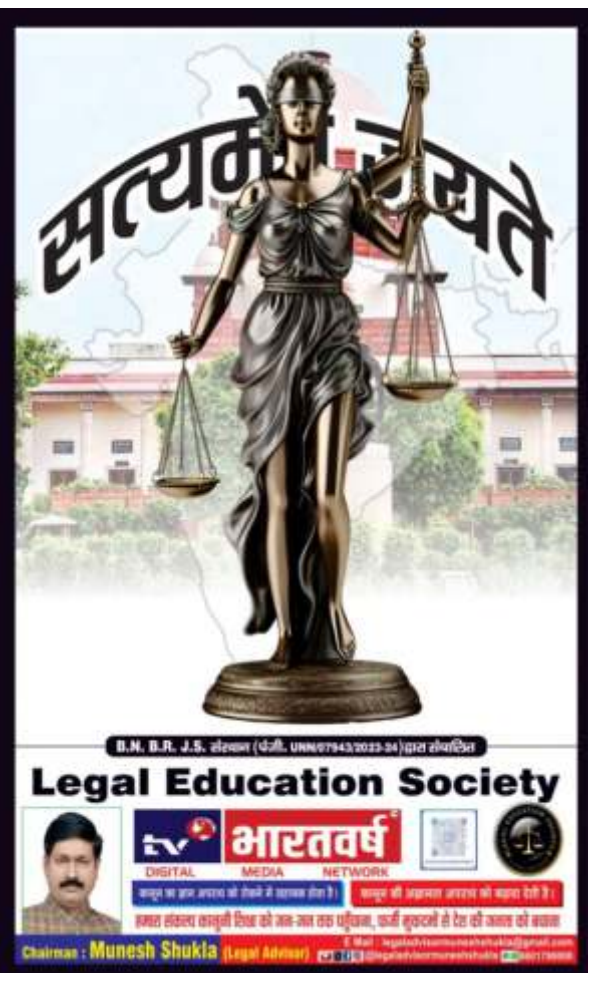

हिंदी में शुरू हुआ साइबर सिक्योरिटी कोर्स

3 लाख छात्रों को मिलेगा डिजिटल सुरक्षा का प्रशिक्षण

डिजिटल दौर में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में साइबर सिक्योरिटी की जानकारी भी जरूरी होती जा रही है। इसे देखते हुए आईआईटी कानपुर ने बड़ा कदम उठाया है। संस्थान ने हिंदी भाषा में ऑनलाइन साइबर सिक्योरिटी कोर्स शुरू किया है। इसका उद्देश्य लगभग 3 लाख छात्रों को साइबर सुरक्षा से जुड़ी जरूरी जानकारी देना है।यह पहल मुख्य रूप से डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (DBRAU), आगरा से संबंधित 570 से ज्यादा कॉलेजों के छात्रों के लिए की गई है। इस कोर्स में साइबर क्राइम, ऑनलाइन फ्रॉड, डेटा सुरक्षा, डार्क वेब और डिजिटल सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय हिंदी में पढ़ाए जाएंगे, जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्र इसका फायदा उठा सकें। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) कानपुर की ऑफिशियल वेबसाइट iitk.ac.in पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, के साइबर सिक्योरिटी इनोवेशन हब, C3iHub ने साइबर सिक्योरिटी में 1 वोकेशनल प्रोग्राम शुरू करने के लिए आगरा की डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी (DBRAU) और विवेकानंद इनक्यूबेशन फाउंडेशन (VIF) के साथ साझेदारी की है।इस कोर्स का उद्देश्य 570 से ज्यादा एफिलिएटेड कॉलेजों के 3 लाख से ज्यादा छात्रों को ट्रेनिंग देना है।

तीन पक्षों के बीच हुए समझौते (MoU) के तहत यह प्रोग्राम शुरू किया गया है। यह प्रोग्राम पूरी तरह से ऑनलाइन और हिंदी में चलाया जाएगा।

इस कोर्स को ऐसे छात्रों के लिए साइबर सिक्योरिटी की शिक्षा को आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो सेमी-अर्बन और रूरल एरिया में रहते हैं और उन्हें इंग्लिश में पढ़ाए जाने वाले टेक्निकल कोर्स को समझने में भाषा की दिक्कत होती है।इस साइबर सिक्योरिटी कोर्स में ऑनलाइन सिक्योरिटी, साइबर क्राइम और डार्क वेब शामिल होंगे। इस सहयोग के तहत C3iHub साइबर सिक्योरिटी रिसर्च और ट्रेनिंग में IIT कानपुर की विशेषज्ञता से इसका करिकुलम तैयार करेगा और उसे चलाएगा। इस कोर्स में साइबर क्राइम और साइबर हाइजीन, सोशल मीडिया से जुड़े खतरे, पहचान की चोरी (आइडेंटिटी थेफ्ट), पर्सनल डेटा लीक, महिलाओं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा, डार्क वेब, साइबर टेररिज्म और गैर-कानूनी ऑनलाइन गतिविधियों जैसे टॉपिक कवर किए जाएंगे। DBRAU एक साइबर सिक्योरिटी काउंसलिंग सेल (CCC) भी बनाएगा। यह सेल साइबर क्राइम को रोकने के लिए काम करेगा और ऑनलाइन खतरों का सामना कर रहे छात्रों को मदद और गाइडेंस देगा। IIT कानपुर के डायरेक्टर प्रो. मनिंद्र अग्रवाल और दूसरे अधिकारियों की मौजूदगी में C3iHub, DBRAU और VIF के प्रतिनिधियों ने MoU पर साइन किए। इस पहल का उद्देश्य साइबर सिक्योरिटी की पढ़ाई को ज्यादा आसान बनाना और छात्रों को रोजमर्रा की डिजिटल जिंदगी में आने वाले खतरों को समझने में मदद करना है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में यूजी एडमिशन का प्रोसेस लगभग अंतिम चरण में

दिल्ली विश्वविद्यालय (DU) में अभी भी एडमिशन का मौका है। सीटें खाली रहने के बाद छात्रों के लिए बड़ी अपडेट जारी की गई है। जिन्होंने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET) नहीं दिया है या एंट्रेंस में कम स्कोर हासिल किए है तो भी उनका डीयू में पढ़ने का सपना पूरा हो सकता है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के तीन और कॉलेजों, जैसे श्याम लाल कॉलेज, राजधानी कॉलेज और जकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (इवनिंग) ने खाली सीटों को भरने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दिया गया है। सीयूईटी के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी इन कॉलेजों में कई सीटें खाली रह गईं। इसी वजह से विश्वविद्यालय ने इन्हें 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर प्रवेश देने की अनुमति दी गई है। दिल्ली यूनिवर्सिटी में अंडरग्रेजुएट एडमिशन की प्रक्रिया CUET स्कोर और उसके बाद यूनिवर्सिटी के 'कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम' से पूरी होती है। हालांकि, सीटें खाली रहने की वजह से कुछ कॉलेजों को खास कदम उठाने पड़े। इन सीटों को खाली छोड़ने के बजाय, अब कॉलेजों को कुछ खास प्रोग्राम के लिए सीधे 12वीं के अंकों के आधार पर विचार करने की अनुमति दी गई है। DU के 3 और कॉलेजों- श्याम लाल कॉलेज, राजधानी कॉलेज और जकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (इवनिंग) ने खाली सीटों को फिल करने के लिए एडमिशन प्रोसेस शुरू किया है। इससे पहले भी डीयू के कुछ कॉलेजों में 12वीं के अंकों के आधार पर एडमिशन देने की शुरुआत की गई थी। अदिति महाविद्यालय और भगिनी निवेदिता कॉलेज को भी 12वीं के अंकों के आधार पर छात्रों को एडमिशन देने की अनुमति दी गई थी। अब 3 कॉलेजों नें एडमिशन शुरू किया है।

लाहौर स्थित गद्दाफी स्टेडियम की पिच को लेकर लगाया गया डिमेरिट अंक हटा दिया

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल बारिश के चलते शुरू नहीं हो पाया

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हेडिंग्ले में जारी पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन बारिश के चलते एक भी गेंद नहीं फिक पाई है। दिन का पहला सेशन बारिश से धुल गया है। फिलहाल लंच ब्रेक तक इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान की पहली पारी से 59 रन पीछे है। बारिश के चलते पहले दिन का शुरुआती सेशन भी प्रभावित रहा था। पाकिस्तान को महज 171 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड ने पहले दिन की समाप्ति तक 25 ओवरों का सामना करते हुए 2 विकेट खोकर 112 रन बना लिए थे। बेन डकेट और एमिलियो ने पहले विकेट के लिए 36 रन की साझेदारी की। डकेट 15 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम ने 48 के स्कोर पर एमिलियो (33) का विकेट भी गंवा दिया। इसके बाद जॉर्डन कॉक्स ने कप्तान जो रूट के साथ दिन की समाप्ति तक तीसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की। जॉर्डन 4 चौकों के साथ 23 रन, जबकि जो रूट 6 चौकों के साथ 37 रन बनाकर नाबाद हैं। इस पारी में मोहम्मद अब्बास और मोहम्मद अली ने 1-1 विकेट अपने नाम किया है। इससे पहले, टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 48.1 ओवरों का ही सामना कर सकी और खाते में सिर्फ 171 रन जुट सके। पाकिस्तान को सिर्फ 6 के स्कोर तक 2 झटके लग गए थे। इसके बाद अब्दुल्ला शफीक ने इमाम-उल-हक के साथ दूसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। इमाम 6 चौकों के साथ 42 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शफीक ने 8 चौकों के साथ 61 रन की पारी खेली। पाकिस्तान को 45वें ओवर की तीसरी गेंद पर कप्तान सलमान आगा के रूप में पांचवां झटका लगा, जो 21 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अगली गेंद पर पाकिस्तान ने अली उस्मान (0) का विकेट भी खो दिया।

फाइनल में जाने के लिए टीम इंडिया ने अपनी दावेदारी और मजबूत कर ली

WTC यानी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की जंग अब और भी दिलचस्प होती जा रही है। भारतीय टीम ने श्रीलंका को दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच जीतकर अपनी दावेदारी और भी ज्यादा मजबूती के साथ ठोक दी है। इस बीच आपको जानना चाहिए कि भारतीय टीम को फाइनल तक का सफर तय करने के लिए कितना पीसीटी चाहिए होगा। साथ ही टीम इंडिया इस सीरीज के बाद कितने और टेस्ट किस टीम के खिलाफ खेलेगी, ये भी जान लीजिए। भारत बनाम श्रीलंका टेस्ट सीरीज के पहले मैच से पहले भारतीय टीम का पीसीटी 48.15 था, जो इस मैच को जीतने के बाद 53.33 का हो गया है। इससे पहले जो डब्ल्यूटीसी फाइनल हुए हैं, उससे पता चलता है कि जो भी दो टीमें फाइनल खेलती हैं, उनका पीसीटी 60 से अधिक रहा है। टीम इंडिया को अभी इस चक्र में आठ और टेस्ट खेलने हैं, इसमें श्रीलंका सीरीज का भी एक मैच शामिल है। टीम इंडिया अगर अपने बचे हुए आठ मैचों में से कम से कम पांच से छह मैच जीतने होंगे। ऐसे में अगर टीम दो हार जाए तो भी ज्यादा दिक्कत नहीं होनी चाहिए। पांच जीत और दो मैच ड्रॉ होंगे तो भारत का पीसीटी उतना हो जाएगा कि फाइनल में पहुंचा जाए। इससे पहले जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हुआ था, उसकी फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका का पीसीटी 69.44 का था, वहीं दूसरी फाइनलिस्ट ऑस्ट्रेलिया का 67.54 का था। टीम इंडिया अगर इन आठ में से छह मैच जीत गई और दो हार जाती है तो उसका पीसीटी 62.96 का हो जाएगा। वहीं अगर सात मैच जीत लिए गए और एक में हार मिली तो पीसीटी 68.52 का हो जाएगा।

भारत पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला जीतने में सफल रहा

अगस्त भारत बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला जीतने में सफल रहा, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत सिंह का मानना है कि एफआईएच विश्व कप के अहम दौर में पहुंचने से पहले टीम को डिफेंस की कमजोरियों को सुधारना होगा। भारत ने इस जीत के साथ पाकिस्तान के खिलाफ पिछले एक दशक से चले आ रहे अपने जीत के सिलसिले को जारी रखा। हालांकि हरमनप्रीत ने जीत के बावजूद शीर्ष टीम के खिलाफ होने वाले अगले दौर के मुकाबलों से पहले टीम की कुछ कमजोरियों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने मैच के बाद कहा, "कुछ मौके गंवाना सामान्य है, लेकिन हम डिफेंस में कोई गलती नहीं कर सकते।" भारतीय कप्तान विशेष रूप से इस बात से चिंतित दिखे कि टीम ने गेंद पर कब्जा बनाए रखने में गलतियां कीं। उन्होंने कहा, "अगर आप 25 मीटर के पास गेंद हासिल करते हैं तो हमें इस पर कब्जा बनाए रखना चाहिए। हम कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर रहे हैं, जिन्हें टाला जा सकता है। पिछले दो मैच में हमने तीसरे क्वार्टर में धीमी शुरुआत से बचने की बात की थी, लेकिन आज भी हमने वही गलती की। अगले मैच के लिए यह हमारे लिए अच्छी सीख है।" हरमनप्रीत ने खुद आगे बढ़कर टीम की अगुवाई की और पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए। हालांकि कप्तान ने टीम के प्रदर्शन में कई सकारात्मक पहलू भी देखे। उन्होंने खास तौर पर आक्रमण, गेंद पर नियंत्रण और पासिंग की तारीफ की। उन्होंने कहा, "अगर आप हमारे सर्कल में प्रवेश, गेंद पर कब्जा, बनाए गए मौकों और पासिंग को देखें तो प्रदर्शन अच्छा था। मैं टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं।" मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन भी दबाव भरे मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन से संतुष्ट दिखे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी पूरे मैच में टीम की रणनीति पर कायम रहे। फुल्टोन ने कहा, "यह बड़ा मुकाबला था और बड़ा मौका भी। हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहा था। मुझे खुशी है कि हम अपनी योजना पर कायम रहे। टीम के प्रदर्शन से मैं खुश हूं।" दो गोल करने वाले अभिषेक ने कहा कि पाकिस्तान की वापसी के बावजूद भारतीय टीम में किसी तरह की घबराहट नहीं थी। उन्होंने कहा, "कोई घबराहट नहीं थी। हम अपनी योजना के अनुसार खेले और सफल रहे। हमें पता था कि हम किसी भी समय ढिलाई नहीं बरत सकते।

चंडीगढ़ के सेक्टर-10 में पंप पर जुटी भीड़

'पेट्रोल लंगर' का दावा निकला फुस्स

चंडीगढ़ में सोशल मीडिया पर पेट्रोल लंगर का ऐलान किए जाने पर भारी बारिश में भी लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई. सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि इस जगह पर लोगों को मुफ्त पेट्रोल के कूपन दिए जाएंगे.

इसी उम्मीद में लोग भारी बारिश के बीच भी लाइन में खड़े रहे. लेकिन उन्हें कोई कूपन नहीं मिला. सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो में राकेश त्रेहान(जिन्हें राजा डी किंग के नाम से जाना जाता है) ने कहा कि उन्होंने 18 अगस्त को पेट्रोल लंगर करने का प्लान बनाया था. लेकिन बारिश के कारण इसे टाल दिया. उनका कहना है कि वे नहीं चाहते थे कि बारिश में लोग परेशान हों इसलिए उन्होंने इस फैसले को टाल दिया. राकेश त्रेहान उर्फ़ 'राजा दी किंग' की टीम के एक सदस्यं ने मंगलवार को कहा था कि वे सभी को कूपन वितरित करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया.

भारतीय महिला पर लगा 1.30 लाख का जुर्माना

5 मिनट नहाने पर बजा फायर अलार्म!

ऑस्ट्रेलिया में रहने वाली एक भारतीय महिला के साथ ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों को हैरान कर दिया है. महिला का कहना है कि वह सिर्फ करीब 5 मिनट तक शॉवर ले रही थी, लेकिन इसके बाद उसके अपार्टमेंट की बिल्डिंग में फायर अलार्म बज गया. मामला यहीं ख़त्म नहीं हुआ. महिला के मुताबिक, बाद में उस पर करीब 1,800 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी लगभग 1.30 लाख रूपये का चार्ज लगा दिया गया.

महिला ने इस पूरे अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसके बाद लोग भी इस घटना पर चर्चा करने लगे. महिला का नाम वामिका है. उन्होंने इंस्टाग्राम वीडियो में बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया में अपने

अपार्टमेंट में थीं और ठंड के मौसम में नहाने गई थीं. उन्होंने करीब पांच मिनट तक शॉवर लिया. ठंड लगने की वजह से उन्होंने बाथरूम का एग्जॉस्ट फैन चालू नहीं किया था. नहाने के कुछ ही देर बाद अचानक बिल्डिंग का फायर अलार्म बजने लगा. अलार्म सुनकर वामिका को पहले समझ नहीं आया कि आखिर हुआ क्या है. उन्हें लगा कि शायद बिल्डिंग में कोई फायर ड्रिल चल रही है. लेकिन कुछ ही देर में बिल्डिंग

क्या भाप बनी वजह?

बाथरूम में गर्म पानी से नहाने पर भाप बनना आम बात है. ऐसे में घर या अपार्टमेंट में लगे फायर अलार्म और एग्जॉस्ट सिस्टम की सही जगह और सही तरीके से काम करना बेहद जरूरी है. वामिका के मामले में उनका एग्जॉस्ट फैन बंद था, जिससे भाप ज्यादा जमा हो गई. वहीं उन्होंने फायर डिटेक्टर की लोकेशन पर भी सवाल उठाया.

मैनेजर उनके अपार्टमेंट में पहुंच गए और अलार्म की जांच करने लगे. वामिका के मुताबिक, जांच के दौरान उन्हें पता चला कि उनके बाथरूम से निकली भाप की वजह से फायर अलार्म एक्टिव हो गया था.

भूतिया शहर खरीद जमाया बिजनेस

क्या आपने कभी सुना है कि कोई शख्स पूरा का पूरा शहर खरीद ले और फिर उसे दोबारा आबाद करने में जुट जाए? अमेरिका में एक शख्स ने ऐसा ही किया है. उसने एक वीरान पड़े पुराने माइनिंग टाउन को अपनी जिंदगी की कमाई से खरीद लिया. अब वह इस भूतिया शहर की पुरानी इमारतों को संवार रहा है और लोगों को यहां घूमने के लिए बुला रहा है.

यह कहानी अमेरिका के कैलिफोर्निया के सेरो गोर्डो शहर की है. कभी यह इलाका चांदी की खदानों के लिए मशहूर था और यहां हजारों लोग रहते थे. लेकिन समय के साथ यह शहर वीरान हो गया. अब यहां फिर से रौनक लौटाने की कोशिश कर रहे हैं अमेरिकी

कारोबारी ब्रेंट अंडरवुड. ब्रेंट अंडरवुड ने साल 2018 में अपनी जिंदगी की बचत के करीब 1.4 मिलियन डॉलर खर्च करके सेरो गोर्डो को खरीद लिया था. यह शहर कैलिफोर्निया में लोन पाइन के पास मौजूद है. अंडरवुड को बचपन से ही इतिहास और पुराने वेस्ट की कहानियों में दिलचस्पी थी. उनके मुताबिक, बचपन में वह अपने दादा के साथ गन स्मोक देखा करते थे. पुराने अमेरिकी वेस्ट की कहानियों और

लोगों को क्यों बुला रहे हैं अंडरवुड?

अंडरवुड सेरो गोर्डो को सिर्फ अपनी प्रॉपर्टी बनाकर नहीं रखना चाहते. वह चाहते हैं कि लोग यहां आएं और अमेरिका के पुराने माइनिंग दौर की कहानी को करीब से देखें. उनका कहना है कि किसी किताब में इतिहास पढ़ना अलग बात है. लेकिन उसी जगह पर खड़े होकर उस इतिहास को महसूस करना बिल्कुल अलग अनुभव है.

उस दौर के जीवन ने उन्हें हमेशा एट्रेक्ट किया. यही शौक बाद में उन्हें सेरो गोर्डो तक ले आया. साल 2020 में वह यहां स्थायी रूप से रहने भी आ गए.

बाइक को बना दिया 'नंदी'

सावन के महीने में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का अलग-अलग अंदाज देखने को मिलता है. कोई पैदल कांवड़ लेकर जाता है तो कोई अपनी कांवड़ को खास तरीके से सजाता है. लेकिन इस बार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है.

वीडियो में एक कांवड़िया कपल ऐसी मोटरसाइकिल पर सवार दिखाई दे रहा है, जिसे भगवान शिव के वाहन नंदी का रूप दिया गया है. बाइक को देखकर ऐसा लगता है जैसे दोनों नंदी पर सवार होकर यात्रा कर रहे हों. वायरल वीडियो में दिखाई दे रही मोटरसाइकिल का रंग सफेद है और इसे नंदी की तरह सजाया गया है. बाइक के आगे और आसपास इस तरह की

डिजाइन और सजावट की गई है कि दूर से देखने पर यह सामान्य मोटरसाइकिल जैसी नहीं लगती. इसी खास लुक की वजह से सड़क से गुजर रहे लोगों की नजर भी इस बाइक पर टिक जाती है. बाइक पर एक महिला और एक पुरुष बैठे दिखाई दे रहे हैं. दोनों कांवड़ यात्रा से जुड़े हुए नजर आते हैं और इसी अनोखे वाहन से सफर करते दिख रहे हैं.

21 दिन में OTT पर पहुंची 'श्रीनिवास मंगापुरम'

जया कृष्णा और राशा थडानी की फिल्म का थिएटर में नहीं चला जादू

अजय भूपति की फिल्म 'श्रीनिवास मंगापुरम' तीन हफ्ते पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे मिले-जुले रिव्यू मिले थे। महेश बाबू के भतीजे जया कृष्णा और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की यह फिल्म अब ऑनलाइन स्ट्रीम हो रही है। जया कृष्णा की पहली फिल्म को दर्शकों को से उम्मीद के अनुसार रिस्पांस नहीं मिला और उनका डेब्यू फ्लॉप रहा। जानिए इसे सिनेमाघरों में रिलीज होने के सिर्फ 21 दिन बाद कब और कहां देखा जा सकता है। बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म कोई खास कमाई नहीं कर पाई है। इसने दुनिया भर में 10 करोड़ से कम की कमाई की। 'श्रीनिवास मंगापुरम' सिनेमाघरों में रिलीज होने के तीन हफ्ते बाद 20 अगस्त को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो गई है। फिल्म के प्रेजेंटर, वैजयंती मूवीज ने रिलीज से सिर्फ एक दिन पहले घोषणा की थी कि फिल्म ऑनलाइन रिलीज होगी। रिलीज के बाद उन्होंने लिखा, 'इस सीजन की सबसे जबरदस्त लव स्टोरी को अपने घर बैठे देखें। #SrinivasaMangapuram अब @PrimeVideoIN पर स्ट्रीम हो रही है।' अजय ने लिखा, 'प्यार, दर्द, भावनाओं और एक्शन से भरी कहानी!#SrinivasaMangapuram की दुनिया अब आपके घर की स्क्रीन पर। इसे जरूर देखें और अपनी राय शेयर करें!' तेलुगु फिल्मों में रिलीज के लगभग एक महीने के भीतर ऑनलाइन आने का चलन है, लेकिन 'श्रीनिवास मंगापुरम' उससे भी जल्दी ऑनलाइन आ गई है। 'श्रीनिवास मंगापुरम' को अजय भूपति ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इसे चंदामामा कथालु पिक्चर्स LLP के तहत पी. किरण ने प्रोड्यूस किया है। वैजयंती मूवीज के सी. अश्विनी दत्त ने इसे पेश किया। यह फिल्म जया का ऑन-स्क्रीन डेब्यू है और पिछले साल हिंदी फिल्म 'आजाद' से ऑन-स्क्रीन डेब्यू करने के बाद राशा का तेलुगु डेब्यू है। इसमें मोहन बाबू, नरेश, शाम, ब्रह्माजी और अजय जैसे कलाकार अहम किरदार में हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे मिले-जुले रिव्यू मिले। पुरानी स्क्रिप्ट और घिसे-पिटे स्ट्रक्चर के कारण जया कृष्णा और राशा थडानी का तेलुगु डेब्यू फ्लॉप रहा। फिल्म रिलीज होने से पहले महेश ने जया का खुलकर सपोर्ट किया था। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'श्रीनिवास मंगापुरम' ने भारत में 5.55 करोड़ नेट और दुनिया भर में 6.56 करोड़ ग्रॉस कमाए।

बैंक अफसर पत्नी की गोली मारकर हत्या फिर बहन को मारी गोली और खुद भी किया सुसाइड

लखनऊ के गोमती नगर में बैंक अधिकारी दिव्या मिश्रा की गोली मारकर हत्या के बाद उनके पति ने कथित तौर पर बहन की हत्या कर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि दिव्या और उनके पति के बीच तलाक का मामला चल रहा था और दोनों के रिश्तों में लंबे समय से विवाद था। पुलिस ने तीनों मौतों की जांच शुरू कर दी है और CCTV फुटेज व फोरेंसिक साक्ष्यों के जरिए घटना की कड़ियां जोड़ रही है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर इलाके में गुरूवार को एक सनसनीखेज वारदात से हड़कंप मच गया। बैंक में कार्यरत एक महिला अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद आरोपी पति अपने घर पहुंचा, जहां उसने अपनी बहन को भी गोली मार दी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एक के बाद एक हुई इन घटनाओं ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी।जानकारी के मुताबिक, मृतका की पहचान दिव्या मिश्रा के रूप में हुई है। वह गोमती नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। बताया जा रहा है कि वह बैंक के बाहर एक क्लाइंट से मिलने गई थीं। आरोप है कि इसी दौरान उनका पति मानस बाजपेयी वहां पहले से मौजूद था। बातचीत के बाद दोनों के बीच विवाद हुआ और मानस ने कथित तौर पर दिव्या पर गोली चला दी। गोली लगने से दिव्या गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गईं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया और करीब एक किलोमीटर दूर स्थित अपने घर पहुंचा।पुलिस के मुताबिक, घर पहुंचने के बाद आरोपी ने कमरे में अपनी बहन शीबा बाजपेयी को गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मानस अपनी बहन के साथ किराए के मकान में रहता था। उसके माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी।पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि दिव्या और मानस के बीच वैवाहिक विवाद चल रहा था और दोनों के तलाक का मामला अदालत में लंबित था। बताया जा रहा है कि दिव्या ने करीब एक साल पहले तलाक के लिए कोर्ट में याचिका दायर की थी। हालांकि, हत्या की वास्तविक वजह क्या थी, इसका अभी आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं हुआ है।दिव्या मिश्रा मशहूर यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा की बहन बताई जा रही हैं। पॉश इलाके में दिनदहाड़े हुई गोलीबारी के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थलों से साक्ष्य जुटाए हैं।पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले में हत्या, पारिवारिक विवाद और आत्महत्या से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सरकारी कार्मिकों की सेवा पुस्तिका मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन करना अनिवार्य

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

प्रदेश सरकार ने सरकारी कार्मिकों की सेवा पुस्तिका मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन करना अनिवार्य कर दिया है। प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम देवराज ने इसके लिए विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश भेजे हैं। इसमें कहा गया है कि राज्य कर्मियों की सेवा विवरण, नियुक्ति, कार्यभार ग्रहण, कार्यमुक्ति, अवकाश प्रबंधन, वेतन आहरण, सेवा प्रबंधन आदि से संबंधी सभी काम मानाव संपदा पोर्टल के माध्यम से किए जाने के आदेश पूर्व में जारी किए गए हैं। इसके बाद भी लगातार यह संज्ञान में आ रहा है कि कार्मिक के सेवा विवरण पोर्टल पर समय से पूर्ण व अपडेट नहीं होते हैं। पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न माड्यूल के उपयोग से असुविधा होती है। मानव संपदा पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न माड्यूल के त्रुटिरहित व सुगम उपयोग के लिए जरूरी है कि कार्मिक की सेवा विवरण पूर्ण व समय-समय पर अपलोड किया जाए। मानव संपदा पोर्टल पर किसी कार्मिक के सेवा पुस्तिका भरने या संशोधित करने का काम विभाग स्तर पर उपलब्ध स्टेबिलिस्टमेंट डाटा इंट्री आईडी के माध्यम से लॉगिन करते हुए किया जा सकता है। प्रमुख सचिव की ओर से कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल के सेवा पुस्तिका मॉड्यूल विभागों को भेजा गया है। इसका पूरी तरह से पालन किया जाएगा और इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं की जाएगी।

सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

प्रदेश की राजधानी लखनऊ और उन्नाव सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों के छात्रों द्वारा शिक्षकों की कमी, सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शनों के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम योगी ने इन आवासीय विद्यालयों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापक बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वोदय विद्यालयों से जुड़ी सुस्पष्ट नियमावली तैयार की जाए। शिक्षकों के रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया तेज की जाए और प्रबंधन को और व्यवस्थित बनाने के लिए एक सोसाइटी के गठन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए। सीएम योगी ने विद्यालयों में शिक्षकों और अन्य आवश्यक कर्मचारियों की उपलब्धता, विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं तथा समग्र प्रबंधन व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप मानव संसाधन सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले 93 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित थे, जो अब बढ़कर 103 हो गए हैं। इनमें 59 सीबीएसई और 44 यूपी बोर्ड से संबद्ध हैं। छात्रवृत्ति वितरण की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति से वंचित पात्र विद्यार्थियों के लिए आवेदन पोर्टल तत्काल खोला जाए। हर हाल में दो अक्टूबर तक छात्रवृत्ति की राशि लाभार्थियों के खातों में अंतरित कर दी जाए, ताकि कोई भी पात्र

छात्र लाभ से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की भी समीक्षा की गई। इस योजना के तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों में 163 केंद्र संचालित हैं, जहां 1,783 इम्पैनल्ड शिक्षक जुड़े हैं। यूपीएससी, पीसीएस, नीट, जेईई, एनडीए/सीडीएस सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 23,801 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। सीएम योगी ने श्रेष्ठ शिक्षकों और विशेषज्ञों के अनुभव का अधिकतम लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने तथा योजना की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया। जेन-अल्फा छात्रों के प्रदर्शनों ने सरकार को इन विद्यालयों की व्यवस्थाओं पर फोकस करने के लिए बाध्य किया है। अब प्रशासनिक स्तर पर तेज कार्रवाई से पारदर्शी और प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

DRI ने लखनऊ में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजस्व आसूचना निदेशालय (DRI) ने लखनऊ में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। खुफिया सूचना के आधार पर DRI की टीम ने 19 अगस्त को कार्रवाई करते हुए आरोपियों के कब्जे से हाथी दांत से बनी 54 दुर्लभ और बेशकीमती कलाकृतियां बरामद कीं। शुरुआती जांच में इन कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में कीमत कई करोड़ रुपये आंकी जा रही है। बरामद वस्तुओं की वास्तविक ऐतिहासिक और बाजार कीमत का आकलन विशेषज्ञों की ओर से किया जा रहा है। DRI की कार्रवाई में हाथी दांत से बनी कई तरह की कलाकृतियां मिली हैं। इनमें हाथी, बैल और कुत्ते की बारीक नक्काशी वाली मूर्तियों के अलावा मानव आकृतियां भी शामिल हैं। इसके साथ ही पारंपरिक कंघी, कैंची, अगरबत्ती स्टैंड, सिंदूरदानी और कई अन्य सजावटी वस्तुएं भी बरामद की गई हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इन कलाकृतियों पर की गई बेहद महीन नक्काशी ने जांच टीम का ध्यान आकर्षित किया है। इनके प्राचीन होने और कलात्मक महत्व की भी जांच की जा रही है। शुरुआती जांच के आधार पर बरामद हाथी दांत की कलाकृतियों की कीमत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, इनकी सही कीमत और ऐतिहासिक महत्व का निर्धारण अभी बाकी है। वन्यजीव और पुरातत्व विशेषज्ञ कलाकृतियों की जांच कर उनका वैज्ञानिक आकलन करेंगे।

जाति जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी एक बार फिर से सक्रिय होने जा रही

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को होने वाली बैठक में विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद और प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य नेता भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जातिगत जनगणना फॉर्म में ओबीसी वर्ग का कॉलम नहीं जोड़ा जा रहा है, जबकि इसके लिए लगातार मांग की जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना में ओबीसी कॉलम जोड़ने की मांग और केंद्र-राज्य सूची में मौजूद ओबीसी जातियों के अनुसार जाति की गिनती कराने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश में गांव- गांव अभियान शुरू किया जाएगा। शुक्रवार को होने वाली बैठक में प्रदेश में शुरू होने वाली सम्मेलनों ,पदयात्रा, जापन, प्रदर्शन, गोष्ठी आदि पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद 22 अगस्त को कानपुर और 23 को जालौन में जातिगत जनगणना और भागीदारी न्याय सम्मेलन होगा। पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि जातिगत जनगणना फॉर्म में ओबीसी का अलग कॉलम जोड़े जाने तक आंदोलन चलता रहेगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पिछड़े वर्ग को आबादी के अनुपात में आरक्षण, संसाधन और सभी संस्थाओं में नौकरी देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

250 छात्रों का सड़क पर हंगामा, 10 किमी लंबा जाम, डीएम-एसपी ने सुनीं समस्याएं

जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में घटिया भोजन, शिक्षकों की कमी और बदहाल व्यवस्थाओं के विरोध में उतरे छात्र

हसनगंज उन्नाव। न्योतनी नगर पंचायत स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय विद्यालय की व्यवस्थाओं से नाराज 250 से अधिक छात्र बुधवार सुबह सड़क पर उतर आए। कक्षा छह से 12 तक के छात्रों ने मोहान चैराहे पर लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग जाम कर धरना शुरू कर दिया। हाथों में 'हमारी मांगें पूरी करो' और 'वी नीड टीचर्स' जैसी तख्तियां लेकर छात्रों ने विद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्रों के प्रदर्शन से मार्ग के दोनों ओर करीब 10 किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। विद्यालय में करीब 325 छात्र पंजीकृत हैं और सभी छात्रावास में रहकर पढ़ाई करते हैं। छात्रों का आरोप है कि लंबे समय से विद्यालय में शिक्षकों की कमी है। इसके अलावा छात्रावास में घटिया भोजन दिया जाता है और शुद्ध पेयजल की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। शिकायत करने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

टूटे पंखे, खराब वॉटर कूलर और डेढ़ साल से बंद नल

प्रदर्शनकारी छात्रों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि शौचालय गंदे रहते हैं, कई पंखे टूटे पड़े हैं और खिड़कियों में जालियां तक नहीं हैं। वॉटर कूलर खराब है, जबकि परिसर का नल करीब डेढ़ वर्ष से बंद पड़ा है। भवन में मधुमक्खियों के छत्ते लगे होने की बात भी छात्रों ने कही। छात्रों का आरोप है कि उनसे विद्यालय में झाड़ू भी लगवाई जाती है।

छात्रों ने बताया कि पर्याप्त शिक्षक नहीं होने के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों ने कहा कि शिक्षकों की कमी के कारण पाठ्यक्रम पूरा करने में परेशानी हो रही है। छात्रों ने विद्यालय में मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त कराने और शिक्षकों की कमी दूर करने की मांग की।

सुबह छह बजे से सड़क पर बैठे रहे छात्र

छात्र सुबह करीब छह बजे मोहान चैराहे पर पहुंच गए थे। सूचना पर औरास और हसनगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ पुरवा अरविंद चैरसिया और सीओ हसनगंज तेज बहादुर ने पुलिस बल के साथ स्थिति संभाली। अधिकारियों ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन छात्र अपनी मांगों पर अड़े रहे।

बताया गया कि नायब तहसीलदार पंकज यादव करीब 7:30 बजे, एसडीएम शालिनी सिंह तोमर 7:38 बजे और सीडीओ कृति राज करीब 8:09 बजे मौके पर पहुंचीं। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह और तहसीलदार अविनाश चैधरी करीब 9:30 बजे पहुंचे। समाज कल्याण अधिकारी संजीव सिंह भी बाद में मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने विद्यालय पहुंचकर छात्रों के साथ किया नाश्ता

वरिष्ठ अधिकारियों ने पहले विद्यालय पहुंचकर छात्रों से बातचीत की। काफी समझाने के बाद छात्र विद्यालय लौटे। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, एसपी जयप्रकाश सिंह, सीडीओ कृति राज और एडीएम सुशील गौड़ ने छात्रों के साथ नाश्ता किया और उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए पूरे मामले की जांच के आदेश दिए।

प्रधानाचार्य के व्यवहार पर भी उठे सवाल

छात्रों ने प्रधानाचार्य के व्यवहार को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि शिकायत करने पर उन्हें टीसी काटकर घर भेजने की धमकी दी जाती है। छात्रों ने कहा कि विद्यालय में शिक्षकों की कमी के साथ ही छात्रावास और भोजन की व्यवस्था भी सुधारने की जरूरत है।

सुबह छह बजे छात्र लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर धरने पर बैठे।

करीब 10 किमी तक वाहनों की कतार लगने से राहगीर परेशान रहे।

छात्रों ने शिक्षकों की कमी, घटिया भोजन और पेयजल संकट की शिकायत की। डेढ़ साल से बंद नल, खराब वॉटर कूलर और टूटे पंखों की शिकायत।

छात्रों ने विद्यालय में झाड़ू लगवाने का भी आरोप लगाया।

डीएम-एसपी समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने छात्रों की समस्याएं सुनकर जांच के आदेश दिए।

सवालों के घेरे में निगरानी व्यवस्था

सर्वोदय विद्यालय में छात्रों के सड़क पर उतरने से सरकारी आवासीय विद्यालयों की व्यवस्थाओं और उनकी निगरानी पर सवाल खड़े हो गए हैं। यदि छात्रों द्वारा लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो विद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली और जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर भी कार्रवाई की जरूरत होगी। सबसे बड़ा सवाल यही है कि समस्याओं के समाधान के लिए छात्रों को सड़क पर उतरकर अपनी आवाज क्यों उठानी पड़ी।

शिक्षक संघ का चुनाव संपन्न, अध्यक्ष निर्वाचित

महामंत्री और कोषाध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए

उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के विकासखंड स्तरीय निर्वाचन अधिवेशन के क्रम में बुधवार को मियागंज विकासखंड का निर्वाचन संपन्न हुआ। ब्लॉक संसाधन केंद्र मियागंज में आयोजित चुनाव सर्फीपुर के चुनाव अधिकारी तौसीफ अली तथा पर्यवेक्षक जिला संयुक्त मंत्री गोविंद मिश्र की देखरेख में कराया गया।

अधिवेशन में अध्यक्ष पद पर कर्मवीर प्रताप सिंह, महामंत्री पद पर नैमिष कुमार, कोषाध्यक्ष पद पर अनस शमीम और महिला उपाध्यक्ष पद पर श्रुकीर्ति गौतम निर्विरोध निर्वाचित हुईं। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर अजय सिंह, नीरज सिंह और जुबेर अख्तर, संयुक्त मंत्री पद पर शैलेंद्र सिंह, अजय कुमार, अमित सचान और नीरज कुमार निर्विरोध चुने गए।

लेखाकार पद पर राजेंद्र कुमार तथा आय-व्यय निरीक्षक पद पर अखिलेश कुमार का निर्वाचन हुआ। सभी पदों पर एक-एक नामांकन होने के कारण चुनाव अधिकारियों ने सभी प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया।

निर्वाचन प्रक्रिया जिला अध्यक्ष अनुपम मिश्र, संरक्षक राघवेंद्र सिंह, जिला महामंत्री रामजन्म सिंह और जिला उपाध्यक्ष विवेक सिंह के निर्देशन में संपन्न हुई। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शिक्षकों ने बधाई दी। संगठन पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी शिक्षकों की भावनाओं और समस्याओं पर खरा उतरते हुए संगठन को मजबूत करने का काम करेगी।

सत्र परीक्षा में नकल पर नकेल, बीईओ ने कई विद्यालयों का किया निरीक्षण

सफीपुर में बेसिक शिक्षा परिषद से संचालित परिषदीय विद्यालयों में सत्र परीक्षाएं बुधवार से शुरू हो गईं। 19 से 24 अगस्त तक चलने वाली परीक्षाओं को नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारी विद्यालयों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में खंड शिक्षा अधिकारी मनींद्र कुमार ने कंपोजिट विद्यालय रनियामऊ, प्राथमिक विद्यालय खुसरूपुर, प्राथमिक विद्यालय पालहेपुर, पीएम श्री विद्यालय रूपपुर चंदेला और उच्च प्राथमिक विद्यालय जमुनिया कच्छ समेत कई विद्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

रसोईघर और परिसर की सफाई के दिए निर्देश

कंपोजिट विद्यालय रनियामऊ के निरीक्षण के दौरान छह शिक्षक उपस्थित मिले, जबकि दो शिक्षक आकस्मिक अवकाश पर थे। बीईओ ने विद्यालय परिसर और रसोईघर की साफ-सफाई व्यवस्थित रखने के निर्देश इंचार्ज शिक्षक अमित तिवारी को दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को स्वच्छ और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। खंड शिक्षा अधिकारी मनींद्र कुमार ने बताया कि विद्यालयों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मिलने वाली कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मासिक पाठ्यक्रम के आधार पर हो रही परीक्षा

कंपोजिट विद्यालय रनियामऊ के शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि सत्र परीक्षा जुलाई तक पूर्ण कराए गए मासिक पाठ्यक्रम के आधार पर कराई जा रही है। परीक्षा को नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परीक्षा समाप्त होने के बाद संबंधित विषय शिक्षकों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके बाद अभिभावकों को विद्यालय बुलाकर बच्चों का परीक्षा परिणाम बताया जाएगा। इससे अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी मिलने के साथ उनके सुधार में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित होगी।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष पद पर रतिंद्र प्रताप सिंह 12 वोट से विजयी

महामंत्री पद पर आनंद सिंह बूटा और राहुल यादव के मत बराबर, फैसला निर्वाचन अधिकारी के पासय रिकाउंटिंग पर टिकी निगाहें

महामंत्री पद के लिए आनंद सिंह बूटा और राहुल सिंह यादव के बीच मुकाबला बेहद रोचक

बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद का परिणाम घोषित हो गया है। रतिंद्र प्रताप सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राम किशोर पाल को 12 मतों से हराकर अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। वहीं महामंत्री पद का परिणाम बराबरी के मतों के कारण अटक गया है। अंतिम चरण की मतगणना के बाद आनंद सिंह बूटा और राहुल सिंह यादव के मत बराबर रहने से निर्वाचन अधिकारी के समक्ष निर्णय विचाराधीन है।

15 चरण की मतगणना के बाद अध्यक्ष पद पर रतिंद्र प्रताप सिंह के विजयी होने की घोषणा की गई। अन्य प्रमुख प्रत्याशियों को 14 चरण में आनंद सिंह को 404, राहुल यादव को 400 और सिद्धांत अवस्थी को 386 मत मिले।

महामंत्री पद पर कांटे का मुकाबला रहा। अंतिम राउंड की मतगणना में दोनों प्रत्याशियों के मत बराबर होने से परिणाम घोषित नहीं हो सका। अब निर्वाचन अधिकारी के निर्णय पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

चुनाव परिणाम को लेकर दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच लगातार नोकझोंक की स्थिति बनी रही। सूत्रों के अनुसार महामंत्री पद के लिए गुरुवार को रिकाउंटिंग कराई जा सकती है। इसके बाद ही स्पष्ट होगा कि महामंत्री पद की जीत किसके खाते में जाती है।उपाध्यक्ष पद पर मजहबी को 575 मत मिले और उन्हें विजयी घोषित किया गया। उनकी प्रतिद्वंद्वी ज्योत्सना को 452 मत प्राप्त हुए। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर पंकज श्रीवास्तव को विजयी घोषित किया गया।

अध्यक्ष पद का परिणाम स्पष्ट होने के बाद समर्थकों में उत्साह रहा, लेकिन महामंत्री पद का पेंच फंसने से चुनाव का रोमांच अभी बरकरार है। अब रिकाउंटिंग के बाद आने वाले परिणाम पर अधिवक्ताओं की नजर है।

एसडीएम के औचक निरीक्षण में कस्तूरबा विद्यालय में दो शिक्षिकाएं गैरहाजिर, पांच दिन से रसोइयां भी नदारद

हिलौली विकासखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मौरावां में बुधवार को एसडीएम पुरवा ब्रजेश शुक्ला के औचक निरीक्षण में विद्यालय की व्यवस्थाओं की स्थिति सामने आई। निरीक्षण के दौरान दो पूर्णकालिक शिक्षिकाएं अनुपस्थित मिलीं, जबकि विद्यालय में तैनात दोनों रसोइयां पांच दिन से ड्यूटी पर नहीं आई थीं। उनकी गैरमौजूदगी में प्रभारी वार्डन सुरभि सिंह स्वयं छात्राओं के लिए भोजन तैयार करती मिलीं।

एसडीएम ने विद्यालय पहुंचकर छात्राओं की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था, भोजन, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। विद्यालय में पांच पूर्णकालिक शिक्षिकाएं तैनात हैं। इनमें ज्योति चैधरी और योगिता अनुपस्थित मिलीं। बताया गया कि दोनों ने ऑनलाइन अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। प्रीति यादव और सविता देवी अंशकालिक शिक्षिकाओं के रूप में कार्यरत हैं।

पुराने मुकदमे से बचने के लिए नाम और उम्र बदलने का आरोप अजय कुमार उर्फ रजनीश पर पुलिस ने शुरू की जांच

जमीन विवाद से जुड़े पुराने मुकदमे से बचने के लिए आरोपी पर नाम और उम्र बदलने का गंभीर आरोप लगाया गया है।शिकायतकर्ता का दावा है कि वर्ष 2020 में अजय कुमार उर्फ रजनीश के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज हुआ था।पुलिस अब दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच कर आरोपों की सच्चाई का पता लगा रही है।

उत्तर प्रदेशके प्रतापगढ़ जिले के रजनीश यादव ने वर्ष 2026 में उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की 12वीं यानी उत्तर मध्यमा परीक्षा में 89.36 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया था। शानदार प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर उसे सम्मानित किया था। रजनीश को एक लाख रुपये की सम्मान राशि, टैबलेट, मेडल और प्रशस्तिपत्र भी दिया गया था। हालांकि, अब यह उपलब्धि विवादों में घिर गई है। रजनीश पर फर्जी शैक्षणिक अभिलेखों के आधार पर परीक्षा में शामिल होने और नाम व जन्मतिथि में कथित हेरफेर करने के आरोप लगे हैं। शिकायत के बाद हुई जांच में उसके पूर्व शैक्षणिक दस्तावेजों में गड़बड़ी सामने आने का दावा किया गया है। इसके बाद संस्कृत शिक्षा परिषद ने उसके शैक्षणिक अभिलेख निरस्त कर दिए हैं। प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने रजनीश यादव के पूर्व मध्यमा यानी हाईस्कूल और उत्तर मध्यमा यानी इंटरमीडिएट से जुड़े शैक्षणिक अभिलेखों को निरस्त करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही उसे टॉपर बनने पर दिए गए पुरस्कार और सम्मान राशि को भी वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आदेश के मुताबिक, रजनीश को दी गई एक लाख रुपये की सम्मान राशि की वसूली राजस्व की तरह किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सम्मान के तौर पर दिया गया टैबलेट भी वापस लिया जाएगा।मामला प्रतापगढ़ के आसपुर देवसरा क्षेत्र के बैजलपुर गांव का है। रजनीश के पड़ोसी जगत प्रसाद ने उसके शैक्षणिक दस्तावेजों को लेकर शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि रजनीश ने नाम और जन्मतिथि में बदलाव कर नए दस्तावेज तैयार कराए और उन्हीं acके आधार पर संस्कृत विद्यालय में प्रवेश लिया। शिकायत के बाद संबंधित अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच शुरू की। आरोपों के मुताबिक, रजनीश के पुराने दस्तावेजों में उसका नाम अजय कुमार और जन्मतिथि 13 मई 1998 दर्ज थी। बाद के दस्तावेजों में नाम रजनीश यादव और जन्मतिथि 1 जुलाई 2010 दर्ज होने की बात सामने आई है। रजनीश यादव राम टहल संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, यदुनाथपुर का छात्र बताया गया है। 24 अप्रैल को घोषित उत्तर प्रदेश संस्कृत बोर्ड के 12वीं के परिणाम में उसने 89.36 प्रतिशत अंक हासिल किए थे और प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया था। टॉप करने के बाद रजनीश को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया था। उसे एक लाख रुपये की सम्मान राशि के साथ टैबलेट, मेडल और प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया था। उस समय उसकी सफलता को किसान परिवार के छात्र की मेहनत और संघर्ष की मिसाल के तौर पर देखा गया था। शिकायतकर्ता जगत प्रसाद का आरोप है कि रजनीश के पुराने शैक्षणिक अभिलेखों के अलावा राशन कार्ड और मतदाता सूची में भी उसका नाम अजय कुमार और जन्मतिथि 13 मई 1998 दर्ज थी। आरोप है कि बाद में आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेजों में बदलाव कर नाम रजनीश यादव और जन्मतिथि 1 जुलाई 2010 कराई गई। शिकायत में यह भी दावा किया गया कि बदले हुए दस्तावेजों के आधार पर संस्कृत विद्यालय में प्रवेश लेकर उसने परीक्षा दी। हालांकि, इन आरोपों की जांच पुलिस और संबंधित विभाग की ओर से की जा रही है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2020 में जमीन से जुड़े विवाद के दौरान अजय कुमार उर्फ रजनीश के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप है कि इसी मामले से बचने के लिए नाम और उम्र में कथित तौर पर बदलाव किया गया। इन आरोपों को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामले में सामने आने वाले दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर में करीब 15 लाख के गांजे के साथ एक युवक को पकड़ा गया

उत्तर प्रदेश के कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी कार्रवाई की है। रेलवे पुलिस ने स्टेशन के कैंट साइड स्थित सर्कुलेटिंग एरिया से एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास मौजूद ट्रॉली बैग की तलाशी लेने पर 13 किलो 650 ग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 15 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी बिहार के सिवान जिले का रहने वाला है और ओडिशा से गांजा लेकर दिल्ली के आनंद विहार पहुंचाने की तैयारी में था। आरोपी के पास से बरामद गांजे को कब्जे में लेकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।एसपी रेलवे अनुभाग प्रयागराज प्रशान्त वर्मा की मॉनिटरिंग और सीओ रेलवे कानपुर शेषमणि उपाध्याय के दिशा-निर्देश में रेलवे स्टेशनों पर संदिग्ध व्यक्तियों और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 20 अगस्त 2026 की रात करीब 12 बजकर 40 मिनट पर जीआरपी कानपुर सेंट्रल और आरपीएफ की संयुक्त टीम स्टेशन परिसर में चेकिंग कर रही थी। प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कानपुर सेंट्रल ओम नारायण सिंह और आरपीएफ पोस्ट प्रभारी सिद्धनाथ पाटीदार के नेतृत्व में टीम संदिग्ध यात्रियों और सामान की जांच कर रही थी। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम की नजर कैंट साइड स्थित सर्कुलेटिंग एरिया में सुलभ शौचालय के पीछे पीपल के पेड़ के नीचे खड़े एक युवक पर पड़ी। युवक के पास एक ट्रॉली बैग था और उसकी गतिविधियां पुलिस को संदिग्ध लगीं। टीम ने जब युवक से पूछताछ शुरू की तो वह घबरा गया।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में विजिलेंस ने बड़ी कार्रवाई की

बहराइच के पयागपुर से कांग्रेस के पूर्व विधायक मुकेश कुमार श्रीवास्तव के भाई अजय कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में विजिलेंस ने बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस की टीमों ने लखनऊ और गोंडा में अजय के 3 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान करीब 28 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति और निवेश से जुड़े दस्तावेज हाथ लगे हैं। जांच में सामने आया है कि अजय कुमार श्रीवास्तव ने अपनी ज्ञात आय से 763.65 प्रतिशत ज्यादा संपत्ति अर्जित की है। इसी आधार पर 2025 में विजिलेंस के अयोध्या सेक्टर थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। कोर्ट से सर्च वारंट मिलने के बाद यह छापेमारी अंजाम दी गई। विजिलेंस के मुताबिक, सबसे बड़ा निवेश लखनऊ के गणेशपुर-रहमानपुर स्थित 6 मंजिला मिलेनिया रिजेन्सी होटल में किया गया है। 108 कमरों वाले इस होटल के निर्माण पर करीब 15 करोड़ और साज - सज्जा पर 5 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इस तरह होटल से जुड़ी कुल संपत्ति लगभग 20 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसी तरह इंदिरानगर के पटेलनगर सेक्टर - 8 में तीन मंजिला मकान अजय और उनके भाई की पत्नियों के नाम मिला। इसके निर्माण में करीब 2 करोड़ और साज - सज्जा पर 70 लाख रुपये खर्च हुए हैं। साथ ही 50 लाख के अन्य निवेश के कागजात भी मिले। इंदिरानगर के ए - 331 में 4000 वर्गफीट में बन रही तीन मंजिला इमारत भी मिली जिसकी कीमत करीब 80 लाख बताई जा रही है। यह संपत्ति भी परिवार के नाम है। गोंडा के जानकीनगर स्थित मकान को छापेमारी के समय परिवार की गैरमौजूदगी के कारण सील कर दिया गया। इसकी निर्माण लागत करीब 1 करोड़ आंकी गई है। छानबीन में गोंडा के अलावा बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती में कृषि भूमि के दस्तावेज भी मिले।

C-PWD अधिकारी को जाल में फंसाकर करीब 1 करोड़ 83 लाख रुपये की बड़ी ठगी

उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में साइबर ठगों ने रिटायर C-PWD अधिकारी को अपने जाल में फंसाकर करीब 1 करोड़ 83 लाख रुपये की बड़ी ठगी को अंजाम दिया है। शातिर ठगों ने खुद को पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय यानी ED का अधिकारी बताकर रिटायर अफसर को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में फंसाने की धमकी दी। उन्हें करीब 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया और जांच के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में करोड़ों रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। ठगों ने पीड़ित को डराया कि अगर उन्होंने उनकी बात नहीं मानी तो उन्हें गंभीर आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया जा सकता है और अदालत से उम्रकैद या फांसी जैसी सजा तक हो सकती है। लगातार धमकियों और फर्जी दस्तावेजों के कारण रिटायर अधिकारी बुरी तरह डर गए और उन्होंने किसी अन्य व्यक्ति से इसकी जानकारी साझा नहीं की।कल्याणपुर के आवास विकास नंबर-1 स्थित सत्यम विहार निवासी 65 वर्षीय सुभाष चंद्र दोहरे C-PWD से रिटायर अधिकारी हैं। उनकी शिकायत के अनुसार, 13 जुलाई को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने कहा कि उनके नाम पर एक क्रेडिट कार्ड जारी हुआ है और उससे एक लाख रुपये से अधिक की खरीदारी की गई है। सुभाष चंद्र ने जब क्रेडिट कार्ड लेने से इनकार किया तो अगले दिन उन्हें दोबारा फोन आया। इस बार कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई के बांद्रा से IPS अधिकारी सुनील कुमार गौतम बताया। उसने दावा किया कि उनका नाम संदीप नाम के व्यक्ति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सामने आया है।